QP – 078

III Semester B.Sc. Examination, April/May 2021
(CBCS) (F+R) (2019 – 20 and Onwards)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Nibandh Aur Sankshepan

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द अथवा **एक** वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) 'काला पत्थर'नाटक के रचनाकार कौन है ?
2) दुरजन अपनी पत्नी को किस कार्य के लिए बाध्य करता था ?
3) चिमटा किसके हाथ में था ?
4) पंचायती व्यवस्था में कितने पंच है ?
5) महाजन की निर्ममता का दंड किसे भोगना पड़ता है ?
6) देश व समाज के प्रति जागरूक रहने की सीख कौन दे रहें हैं ?
7) दो साल पहले गली में क्या बिछाये गए थे ?
8) पाँच वर्ष की उम्र में किसका विवाह हो गया था ?
9) भिखारी कौन था ?
10) खोदवा चोर अपने साथ क्या लाया था ?

II. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) सब गरीबी के मारे हैं। ..... कितनी बड़ी विषमता है। किसी के पास करोड़ों रुपयाँ भरा है, किसी के पास कहने के लाले पड़े है।
2) मैं जेल जाने के लिए तैयार हूँ। ऐसी जिंदगी से तो जेल ही अच्छी है। वहाँ दो जून की रोटी तो मिलेगी।
3) ईश्वर ने हमारी रक्षा की । अब मुझे समाज का कोई डर नहीं है।

III. 'काला पत्थर' नाटक का सारांश लिखते हुए नाटक में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। **(1×16=16)**

अथवा

'काला पत्थर' नाटक ग्रामीण जीवन की सच्चाई को उद्घाटित करता है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

IV. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×5=10)**

1) प्रभात-पुनिया का प्रेम।

2) ग्रामवासी - 1।

3) पलटू किसान।

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **(1×10=10)**

1) सूचना संचार क्रांति एवं ई-गवर्नेस।

2) ऊर्जा संकट : सौर ऊर्जा एक विकल्प।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए। **(1×10=10)**

हमारे देश में हिन्दू समाज की संरचना का मूल आधार वर्ण व्यवस्था है। विविध वर्षों में से सुदीर्घ काल से रीति-रिवाज प्रथाएँ मान्यताएँ तथा कर्मकांड आदि की प्रणालियाँ चली आ रही हैं। वर्ण व्यवस्था के अनुसार सारा समाज ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र जातियों में विभाजित था । आगे चलकर समाज से एक बहिष्कृत, एक अछूत जाति को पंचम वर्ण के रूप में मान्यता दी गई । विभिन्न युगों में हुए सामाजिक जागरण के फलस्वरूप यह वर्ण व्यवस्था छिन्न-भिन्न होती चली गई और प्रत्येक वर्ण अनेक जातियों और उपजातियों में बँट गया। आरम्भ में इसका आधार केवल श्रम-विभाजन था, जबकि आगे चलकर अर्थ व्यवस्था ने भी इसे प्रभावित किया। यातायात की सुविधाओं के प्रचार तथा जीवनोपार्जन के नवीन साधनाओं के उद्भव के साथ-साथ जल, स्वर की समानता की भावना का इस रूप में विकास हुआ कि अनेक रूढ़ियों का निर्वाह कठिन हो गया। खान-पान आदि में भी नियम कठिन हो गया। आधुनिक रूप में शिक्षा प्रसार विकसित हो रहा है।